ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

जो बच्चे दूर बैठे भी सदा बाप की दिल के समीप हैं उन्हें सहयोग का अधिकार प्राप्त है और अन्त तक सहयोग मिलता रहेगा..

SpARC

ShareChat
@om shanti

परमात्मा एक हैं

अगर देवताए भगवान थे या सर्वोच्च थे तो उन्होंने शिव की पूजा क्यों की ? श्री राम ने रामेश्वरम में , श्रीकृष्ण ने स्थानेश्वरम में शिवलिंग की पूजा अर्चना की । अगर वो सर्वोच्च सत्ता थे तो उनको क्यों ऐसा करना पड़ा ? इतना ही नहीं जिन देवियों की हम पूजा करते हैं उनके लिए कहा गाया शिव शक्ति । यानी कि वह भी शिव की शक्तियां अर्थात संतान है । देवताएं अनेक हैं , महात्माऐं अनेक हैं , पुण्यात्माऐं अनेक हैं , पापात्माऐं अनेक हैं । लेकिन परमात्मा एक है । जो इस दुनिया के व्यक्त आकारों से परे हैं ।

SAMARPAN

सभी टीचर्स तो स्मृति-स्वरूप है ना! चारों ही सब्जेक्ट्स में स्मृति-स्वरूप। मेहनत का काम तो नहीं है ना! टीचर्स का अर्थ ही है अपने स्मृति-स्वरूप फीचर्स से औरों को भी स्मृति-स्वरूप बनाना। आपके फीचर्स ही औरों को स्मृति दिलाये कि मैं आत्मा हूँ, मस्तक में देखे ही चमकती हुई आत्मा वा चमकती हुई मणि। जैसे साँप की मणि देख करके साँप की तरफ कोई का ध्यान नहीं जायेंगा, मणि के तरफ जायेंगा। ऐसे अविनाशी चमकती हुई मणि को देख देहभान स्मृति में नहीं आये, अटेंशन स्वत: ही आत्मा की तरफ जायें। टीचर्स इसी सेवा के निमित्त हो। विस्मृति वालों को स्मृति दिलाना - यही सेवा है । समर्थ तो हो या कभी-कभी घबराती हो? अगर टीचर्स घबरा जायेंगी तो स्टूडैण्ट क्या होंगे? टीचर्स अर्थात् सदा नेचुरल, निरन्तर स्मृति-स्वरूप सो समर्थ-स्वरूप। जैसे ब्रह्मा बाप फ्रंट में रहा तो टीचर्स भी आगे हो ना। निमित्त माना आगे। जैसे सेवा प्रति समर्पण होने में हिम्मत रखी, समर्थ बनी। तो यह स्मृति क्या है, यह तो त्याग का भाग्य है। त्याग कर लिया, अभी भाग्य की क्या बड़ी बात है! त्याग तो किया लेकिन त्याग, त्याग नहीं है क्योंकि भाग्य बहुत ज्यादा है । त्याग क्या किया? सिर्फ सफ़ेद साड़ी पहनी, वह तो और भी ब्यूटीफुल बन गई हो, फरिश्ते, परियाँ बन गई हो और क्या चाहिए । बाकी खाना-पीना छोड़ा. .वह तो आजकल डॉक्टर्स भी कहते है - ज्यादा नहीं खाओ, कम खाओ, सादा खाओ। आजकल तो डॉक्टर्स भी खाने नहीं देते। बाकी क्या छोड़ा? पहनना छोड़ा.. .आजकल तो गहनों के पीछे चोर लगते है । अच्छा किया जो छोड़ दिया, समझदारी का काम किया। इसलिए त्याग का पद्म गुणा भाग्य मिल गया। अच्छा!--02-01-1990

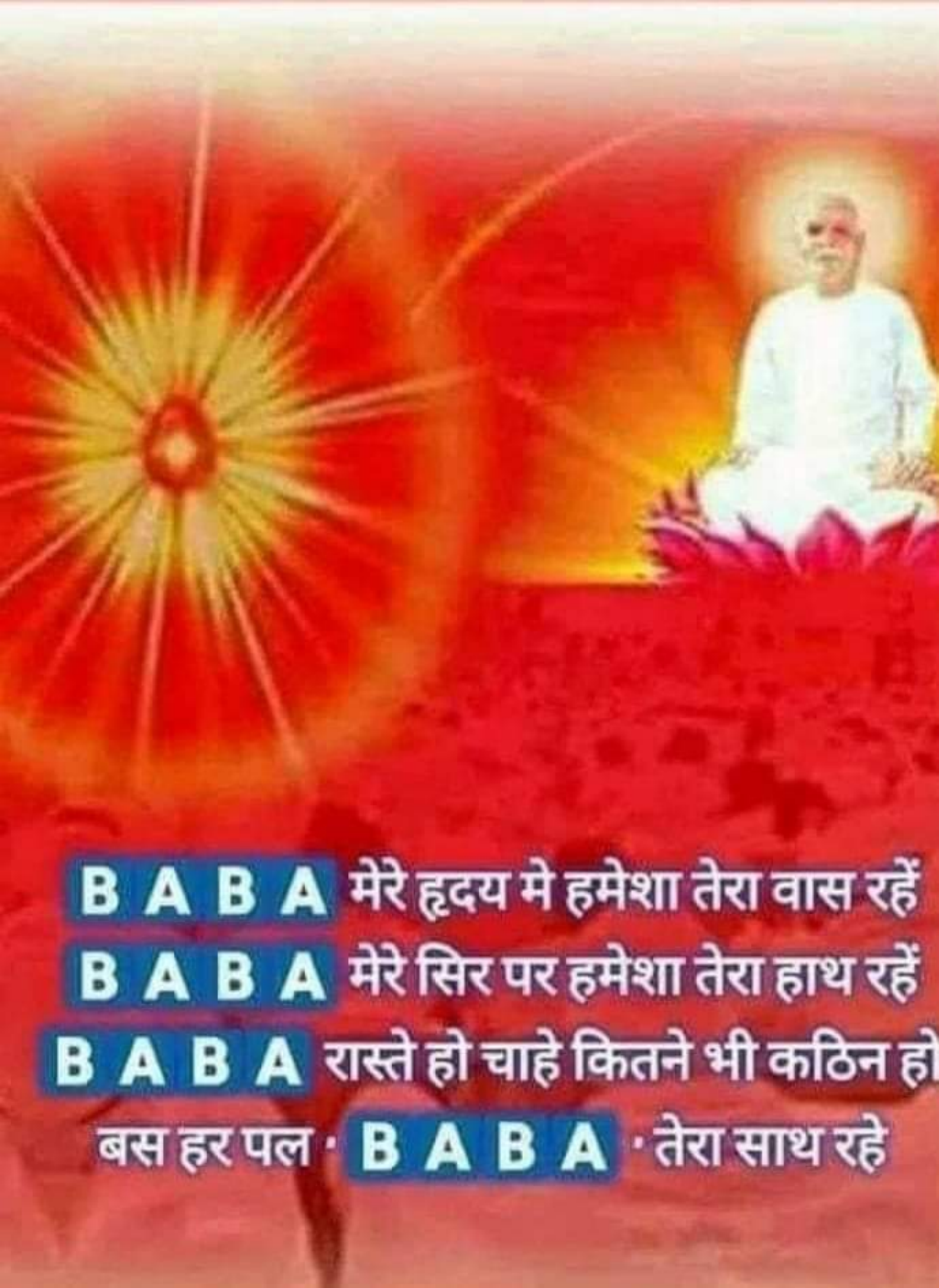
B A B A मेरे हृदय मे हमेशा तेरा वास रहें
B A B A मेरे सिर पर हमेशा तेरा हाथ रहें
B A B A रास्ते हो चाहे कितने भी कठिन हो
बस हर पल · B A B A · तेरा साथ रहे

अगर कोई बड़े के हाथ में हाथ होता है तो छोटे की स्थिति बेफिक्र होती, निश्चिंत रहती है। तो समझना चाहिए - हर कर्म में बापदादा मेरे साथ भी है और हमारे इस अलौकिक जीवन का हाथ उनके हाथ में है अर्थात् जीवन उनके हवाले है। ज़िम्मेवारी उनकी हो जाती है।

Avyakt Murli - 4-7-1971

During Pranayam, Yoga, Exercise or Walk,
Focus on the Mind along with the Body.

Inhale – “I am a peaceful, powerful soul.”
Exhale – “I throw out irritation and anger.”

Inhale – “I am a loveful soul, I respect all.”
Exhale – “I release toxins of past hurt.”

Our Thoughts Radiate to every Cell of our Body.

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org